सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 296 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 4 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

न तो अधिक बोलना अच्छा है, न ही जरूरत से ज्यादा चुप रहना ही ठीक है। जैसे बहुत अधिक वर्षा भी अच्छी नहीं और बहुत अधिक धूप भी अच्छी नहीं है।

-कबीर दास

चोट से वापसी के बाद तीनों प्रारूपों में... 7
देश में नहीं सेट हो पा रहा बीजेपी... 3
संभल में खराब किया गया... 2

पश्चिम से चली राहुल गांधी की आंधी में उड़ जाएगी योगी सरकार!

- राहुल को रोककर गच्चा खा गयी सरकार, बहुत बड़ी राजनीतिक गलती कर गये बीजेपी के रणनीतिकार
- नेता प्रतिपक्ष ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत को मथा
- सरकार की समझ में नहीं आ रहा कि वह क्या करे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे ऐसा ही कुछ हो रहा है उत्तर प्रदेश में। संभल हिंसा पर यूपी सरकार की लगातार किरकिरी हो रही है। वही राहुल गांधी की संभल यात्रा ने इस मुददे को राष्ट्रीय मुददा बना दिया है। राहुल गांधी जिस रास्ते से संभल रवाना हुए थे उस रास्ते को छावनी में तब्दील किया गया।

यही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के कद्दावर नेताओं को नजरबंद कर दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और विधानमंडल दल की नेता भी हाउस अरेस्ट है। यही नहीं कल जिन नेताओं ने हिंसा मे जेल में बंद लोगों मुलाकात की थी उस मुलाकात से सरकार चिढ़ गयी और मुरादाबाद के जेलर और डिप्टी जेलर को निलंबित कर दिया गया है। कमीशनर मुरादाबाद ने जेल अधीक्षक के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन को पत्र लिखा है ।

संसद से सड़क तक माहौल गरमाया

कल सदन के भीतर इस मुददे पर गरमा-गरमी दिखी और आज सड़कों पर। गाजियाबाद से संभल तक के रास्तों पर बैरेकेडिंग दिखी, लोगों की जांच हुई। खुफिया तंत्र यह पता लगाने के लिए मुस्तैद रहा कि कहीं राहुल गांधी किसी और रास्ते से तो संभल जाने का प्रोग्राम नहीं बना रहे। कुल मिलाकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में इस समय राहुल गांधी ही दिख रहे हैं। उन्होंने बहुत गहरी चोट की है और पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत को मथ दिया है।

राहुल की यात्रा ने दिखाया सकारात्मकता का दृष्टिकोण

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यात्रा ने सकारात्मक दृष्टिकोण को जन्म दिया है। राहुल गांधी की यात्रा को एक समन्वय और सामूहिक शांति की पहल के रूप में देखा जा सकता है, जो न केवल हिंसा के बाद के माहौल को सुधारने का प्रयास करती है, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे का संदेश भी देती है। यात्रा ने यह संदेश भी दिया कि राजनीतिक नेताओं का कर्तव्य केवल सत्ता में बने रहने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सामूहिक शांति और सहिष्णुता को बढ़ावा देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह साबित किया कि संघर्ष और असहमति के बावजूद, समाज के हर वर्ग को एक साथ लाने के लिए एक साझा मंच की आवश्यकता होती है। उनकी यात्रा के दौरान, उन्होंने स्थानीय लोगों से मिलकर उनके दुख और दर्द को सुना और उनसे यह वादा किया कि वह हिंसा के कारण पैदा हुए तनाव को खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

कई सांसदों ने किया लोकसभा से वॉकआउट

विपक्ष के नेता राहुल गांधी को हिंसा प्रभावित संभल जाने से रोके जाने पर कुछ विपक्षी सांसदों ने लोकसभा से वॉकआउट किया। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य कांग्रेस नेता सुबह संभल जाने के लिए गाजीपुर सीमा पर पहुंचे थे। वहां भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच उन्हें आगे नहीं जाने दिया गया।

राहुल और प्रियंका गांधी को संभल जाने से रोका

राहुल-प्रियंका गांधी को रोकने पर भड़के अखिलेश

पहले सपा का डेलीगेशन और अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को रोके जाने को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव भड़क गए हैं। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार में पुलिस सिर्फ लोगों को फंसाने का काम कर रही है, न्याय दिलाने का नहीं। अखिलेश यादव ने कहा, प्रशासन ने भाजपा के इशारे पर इस घटना को अंजाम दिया। किसी भी पार्टी के नेता को वहां जाने नहीं दिया जा रहा है। वे क्या छिपाना चाहते हैं? प्रशासन की भाषा देखिए। क्या लोकतंत्र में अधिकारियों को इस तरह का व्यवहार और भाषा की अनुमति दी जा सकती है? पता नहीं वे 10 तारीख तक क्या-क्या छिपाएंगे और कितना दबाव बनाएंगे।

गाजीपुर बॉर्डर पर जाम ही जाम

गाजीपुर बॉर्डर पर सुबह से ही गाड़ियों की लंबी कतार देखने को मिल रही है। यहां पर पुलिस द्वारा की गई बैरिकेडिंग की वजह से जाम की समस्या से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। सांसद राहुल गांधी के संभल दौरे से पहले नाकेबंदी की गई है। दरअसल, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के संभल हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात करने के इरादे से दिल्ली से रवाना हुए। दौरे से पहले दिल्ली गाजीपुर बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। सुरक्षा व्यवस्था की वजह से गाजीपुर बॉर्डर पर लंबा जाम लग चुका है।

प्रशासन मामले को दबाने की कोशिश कर रहा: डिंपल

समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव ने संभल की घटना पर कहा, कहीं न कहीं प्रशासन मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है। इसीलिए अब तक स्थिति सामान्य नहीं हो पा रही है। उन्हें पता है कि अगर कोई प्रतिनिधिमंडल जाकर लोगों से मिलेगा तो सच्चाई सामने आ जाएगी। वे चाहते हैं कि जितनी देरी होगी, भाजपा के लिए उतना ही अच्छा होगा।

कांग्रेस नेता आराधना मिश्रा को लखनऊ में किया गया हाउस अरेस्ट

लखनऊ में कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना को हाउस अरेस्ट किया गया है। उन्हें 9:30 पर संभल के लिए रवाना होना था। इसके पहले, राहुल गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, संगठन महासचिव अनिल यादव सहित आदि नेता मंगलवार शाम दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। यह सभी राहुल गांधी के साथ संभल जाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि पुलिस प्रशासन की ओर से उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो रास्ते में ही धरना-प्रदर्शन शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पदाधिकारी हर स्तर पर संघर्ष के लिए तैयार हैं। बता दें कि सोमवार को ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पार्टी नेताओं के साथ संभल जाने की तैयारी में थे। किंतु पुलिस-प्रशासन ने उन्हें प्रदेश मुख्यालय में ही हाउस अरेस्ट कर लिया था। जबकि अन्य नेताओं व कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको-गार्डेन भेजा गया था।

संभल हिंसा को लेकर एनडीए सरकार पर बरसे राम गोपाल यादव

संभल में खराब किया गया माहौल

» सपा नेता बोले- चुनाव में बीजेपी ने लोगों को वोट से किया वंचित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राम गोपाल यादव ने कहा कि संभल में ऐसा माहौल बना दिया गया कि इलाके के लोगों को लगा कि मस्जिद में कुछ तोड़फोड़ होने जा रही है। इसके बाद इलाके में अशांति पैदा हुई। पुलिस की फायरिंग में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि कई घायल हो गए। सपा के राष्ट्रीय महासचिव राम गोपाल यादव ने राज्यसभा में संभल हिंसा का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि संभल छावनी में बदल गया है। वहां गोलियां चलाई गईं।

संभल हिंसा पर बोलते-बोलते राम गोपाल यादव हाल ही में हुए कुंदरकी उपचुनाव पर बोलने लगे। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद की कुंदरकी सीट पर पुलिस और प्रशासन के अफसरों ने लोगों को वोट नहीं डालने दिया। राम गोपाल यादव का इतना कहते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने उनको बैठने का निर्देश दे दिया। सभापति ने हाथ उठाकर कहा- राम गोपाल जी आपसे आशा करता हूं कि आप संयम बरतेंगे। राम गोपाल यादव ने कहा कि संभल में 500 साल पुरानी मस्जिद का सर्वे किया गया। दो घंटे के भीतर पूरा सर्वे शांति पूर्वक हो गया। 26 नवंबर को पूरे संभल को छावनी बना दिया गया। लोगों को कुछ समझ में ही नहीं आया। वहां लोगों को लगा कि पुलिस और प्रशासन के अफसर मस्जिद में तोड़फोड़ करने जा रही है। इसके बाद इलाके में अशांति पैदा हुई। पुलिस ने फायरिंग की जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।

सपा के सुस्त पदाधिकारियों पर गिरेगी गाज

लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव के नतीजे आ चुके हैं। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में हुए नुकसान की बहुत हद तक भरपाई उपचुनाव में कर ली है। बीजेपी ने 9 में से 7 सीट जीतकर सपा को करारा झटका दे दिया है। 2027 के सेमीफाइनल माने जा रहे इस उपचुनाव के नतीजे से समाजवादी पार्टी पूरी तरफ से बैकफुट पर चली गई है। सपा अब इससे उबरने के लिए पार्टी के निष्क्रिय पदाधिकारियों को साइड लाइन करने की तैयारी में है। उनकी जगह पार्टी के लिए पूरी ईमानदारी से काम के साथ काम करने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं को पार्टी में जगह दे सकती है। सूत्रों की माने तो सपा में इसको लेकर मंथन चल रहा है। हालांकि सपा नेता इसपर फिलहाल चुप्पी साधे है। बीते लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी यूपी में पहले और देश में तीसरी सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाली पार्टी रही है। लेकिन छह महीने में ही सपा अपने खराब परफॉर्मेंस से फिर से जूझ रही है। उपचुनाव में सपा अपनी सीटें भी हार गई है। कुंदरकी सीट जो एक तरह से समाजवादी पार्टी का गढ़ बन गई थी, वहां सपा का बहुत खराब प्रदर्शन रहा है।

27 के विस चुनावों में सपा हटा देगी भाजपा सरकार

राजनीतिक जानकारों का मानना रहा है कि समाजवादी पार्टी ही एकलौती ऐसी पार्टी है, जो यूपी में बीजेपी को टक्कर दे सकती है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि सपा ने बीते लोकसभा चुनाव में जिस तरह से यूपी में जीत दर्ज की है, उससे अखिलेश यादव फिर से उभर कर सामने आ गए हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव भी लगातार पार्टी को मजबूत करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अखिलेश 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी में अभी से जुट गए हैं। अगर रणनीति काम आ गाई तो 2027 में सपा कर सरकार आ सकती है।

बिहार पुलिस पूरी तरह से मानसिक दिवालिया हो गई है : पप्पू यादव

सांसद ने दी चेतावनी, वर्दी न हो तो लड़ियेगा हमसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पूर्णिया। बिहार के सांसद पप्पू यादव पर बिहार पुलिस ने बड़ा आरोप लगाया तब से सियासत गरमा गई है। जनता दल यूनाईटेड के नेता संतोष कुशवाहा ने तो यहां तक कह दिया कि अब सांसद पप्पू यादव का असली चेहरा उजागर हुआ है। उन्हें अपने कृत्यों के लिए पूर्णिया लोकसभा की जनता से माफी मांगनी चाहिए। इन सब के बीच पूर्णिया सांसद का नया वीडियो सामने आया है। इसमें उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोप पर सफाई दी और बिहार पुलिस पर भी बड़ा आरोप लगा दिया।

उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को संबोधित करते हुए कहा कि कि मुख्यमंत्री जी आपकी पुलिस मानसिक रूप से दिवालिया हो गई है। वह वही व्यवहार कर रही है जो दिवंगत कांग्रेस विधायक हेमंत शाही जी को गोली लगने पर तत्कालीन सरकार और प्रशासन ने किया था। उनपर घायल होने की नौटंकी का आरोप लगाया, बाद में इलाजरत हेमंत जी की मृत्यु हो गई थी! पुन: वही हो रहा है। आपलोग मुझे मारना चाहते हैं। पप्पू यादव ने कहा कि मैं पुलिस-प्रशासन से पूछता हूं कि अगर आपके पास सरकार का दिया वर्दी और कुर्सी न हो तो पप्पू यादव से लड़िएगा क्या? आपको हिम्मत है? आपके नेता को पप्पू यादव से बात करने की औकात नहीं है। पप्पू यादव ने आगे कहा कि 26 लोगों ने अबतक जान से मारने की धमकी दी।

पप्पू यादव की भूमिका की हो जांच : संतोष कुशवाहा

लॉरेंस बिश्नोई की कथित धमकी के मामले में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव की 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा हासिल करने की मंशा का खुलासा हुआ है। हालांकि सांसद यादव ने इसे किसी की सजिश करार दे सोशल मीडिया पर जवाब दिया है। वहीं, इस मामले पर पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने पूर्णिया पुलिस को इस प्रकरण का पर्दाफाश करने के लिए बधाई दी। उन्होंने मांग की कि इस मामले में पप्पू यादव की भूमिका की उच्चस्तरीय जांच हो। संतोष कुशवाहा ने कहा कि पप्पू यादव ने कथित फर्जी धमकियों के जरिए सुरक्षा पाने की साजिश रची थी। उन्होंने राज्य सरकार और पुलिस से यह भी मांग की कि अब तक सांसद को मिली दो दर्जन धमकियों की जांच होनी चाहिए। कुशवाहा ने जोर देकर कहा कि पप्पू यादव को पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र की जनता से माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि उनकी हरकतों से जिले की छवि खराब हुई है।

मुझे आपकी सुरक्षा नहीं चाहिए, मैं कोर्ट जा रहा हूं

पप्पू यादव ने कहा कि मैं अभी नहीं मरुंगा, मैं बिहार के एक-एक माफिया, गलत लोगों और भ्रष्टाचारियों को खत्म कर दूंगा। जिसने बिहार को लूटा, उसके खिलाफ लड़ूंगा। पूर्णिया एसपी से आग्रह है कि आप पार्टी मत बनिए। डीजीपी साहब किसी की जिंदगी के साथ खिलवाड़ मत कीजिए। अगर मैं गलत हूं तो मैं रिजाइन करने के लिए तैयार हूं। मुझे आपकी सुरक्षा नहीं चाहिए। मैं कोर्ट जा रहा हूं। इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग करता हूं।

11 दिसंबर को पूरी होंगी 7 गारंटियां : सीएम सुक्खू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पंडोह/थुनाग (मंडी)। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार 11 दिसंबर को सात गारंटियां पूरी करने जा रही है। मंत्रिमंडल के सभी सदस्य इस दिशा में दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

जब पुलिस भर्ती के पेपर लीक हुए और अधीनस्थ चयन आयोग हमीरपुर में पेपर नीलाम हो रहे थे, तब नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर कहां थे। मैं अपनी आंखों के सामने युवाओं के भविष्य के साथ धोखा होते हुए नहीं देख सकता, इसलिए अधीनस्थ चयन आयोग को भंग किया। सराज विधानसभा क्षेत्र के बाखली में जनसभा में सुक्खू ने कहा कि पहले सरकार बदलने के साथ ही पुराने काम रोक दिए जाते थे। कांग्रेस ने भाजपा के इस रिवाज को बंद किया। 28 करोड़ रुपये बगलामुखी रोपवे के लिए प्राथमिकता पर आवंटित किए।

संघ में जो कुंवारे हैं सबसे पहले उनकी शादी करायें भागवत : बघेल

» संघ प्रमुख के तीन बच्चे वाले बयान पर कांग्रेस का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के तीन बच्चे वाले बयान पर छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। इस मामले में पलटवार करते हुए कहा कि देश में लोगों को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। ऐसे में अधिक बच्चे पैदा करने का क्या उद्देश्य है? आरएसएस में जो लोग कुंवारे हैं, उनकी सबसे पहले शादी करायें।

उन्होंने कहा कि विष्णुदेव साय सरकार में किसी भी विभाग में व्यवस्था पूरी तरह से अव्यवस्था में बदल गई है। स्वास्थ्य विभाग की बात करें तो आज आयुष्मान कार्ड से कोई भी अस्पताल मरीज का इलाज नहीं कर रहे हैं। लोग कार्ड रखे हुए हैं पर इलाज के लिये तरस रहे हैं। इस संबंध में डॉक्टर से बात करने पर जानकारी मिली है कि डॉक्टरों को पिछले एक साल से भुगतान ही नहीं किया गया है। इस वजह से सभी सरकारी अस्पतालों की आर्थिक स्थिति खराब है। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

आम जनता भुगत रही खामियाजा

पूर्व सीएम ने अपने शासनकाल की उपलब्धियों पर कहा कि हमारे शासनकाल में कभी भी खासकर स्वास्थ्य विभाग के पेमेंट 24 घंटा से ज्यादा नहीं रुकते थे, जो भी स्वास्थ्य विभाग से आवेदन आता था, उसे तुरंत पूरा किया जाता था, लेकिन साय सरकार में कोई भुगतान नहीं हुआ है। इस वजह से चाहे छोटा हॉस्पिटल हो या बड़ा अस्पताल। सभी जगह आयुष्मान कार्ड से इलाज कराना करीब-करीब बंद कर दिया गया है। इसका खामियाजा आम जनता भुगत रही है।

पीएम मोदी ने बाढ़ के हालात पर सीएम स्टालिन से की बात

» केंद्र की ओर से मदद का दिया आश्वासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से बात की और चक्रवात फेंगल और भारी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ के मद्देनजर राज्य को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। फोन के माध्यम से बातचीत में, मोदी ने तमिलनाडु, विशेषकर विल्लुपुरम में नुकसान की सीमा के बारे में जानकारी ली, जहां अभूतपूर्व बाढ़ ने बड़े पैमाने पर व्यवधान पैदा किया है।

स्टालिन ने प्रधानमंत्री को बताया कि राज्य सरकार आपदा से प्रभावी ढंग से निपट रही है और प्रभावित लोगों को राहत प्रदान कर रही है। उन्होंने वित्तीय सहायता के लिए अपना अनुरोध दोहराया और केंद्र सरकार से विस्तृत क्षति आकलन के लिए एक टीम भेजने का आग्रह किया। एक्स पर एक पोस्ट में एमके स्टालिन ने लिखा कि उन्होंने मोदी से आग्रह किया कि वे इस तूफान के कारण तमिलनाडु के लोगों को राहत प्रदान करें और तूफान से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन करने के लिए एक केंद्रीय समिति भेजें। स्टालिन ने प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन भेजा था, जिसमें बहाली और पुनर्वास प्रयासों का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से 2,000 करोड़ रुपये की मांग की गई थी।

देश में नहीं सेट हो पा रहा बीजेपी का एजेंडा

फिल्म दा साबरमती रिपोर्ट भी बॉक्स आफीस पर धड़ाम

» न ही फिल्म चली और न ही नफरती नारा

» कई राज्यों के सीएम कुछ नहीं कर पाए

» विक्रांत मैसी के सन्यास की खबर का भी नहीं हुआ दर्शकों के दिमाग पर असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा शासित प्रदेशों में टैक्स फ्री हुई फिल्म दा साबरमती रिपोर्ट बाक्स आफिस पर धड़ाम हो चुकी है। झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार बन चुकी है और महाराष्ट्र में सीएम योगी और पीएम मोदी की सभा को रोकने वाले अजीत पवार डिप्टी सीएम बनने जा रहे हैं। यानि कि बीजेपी ने जिन चीजों को हासिल करने के लिए नफरती एजेंडा सेट करने की कोशिश की वह नहीं सेट हो पाया। बीजेपी ने बटेंगे तो कटेंगे नारे और फिल्म दा साबरमती रिपोर्ट के जरिये देश की फिजा को जहरीला करना चाहा था, लेकिन वह नहीं कर पाई और झारखंड में हेमंत सोरेन की दोबारा सरकार बन गयी। यही नहीं अजीत पावर भी ज्यादा मजबूत हुए और लाख कोशिशों के बाद भी फिल्म हिट नहीं हो पायी।

हांलाकि फिल्म को हिट कराने के लिए सीएम हेमंत बिस्वा सरमा, सीएम योगी आदित्यनाथ और सीएम मोहन यादव ने लाव लश्कर के साथ सिनेमा घरों में जाकर फिल्म देखी जिसका कोई फायदा फिल्म को नहीं हुआ। जब मुख्यमंत्रियों से बात नहीं बनी तो खुद पीएम मोदी फिल्म देखने गये लेकिन तबतक देर हो चुकी थी और फिल्म का कलेक्शन बाक्स आफिस पर कोई खास असर नहीं डाल पाया।

टैक्स फ्री होता है फिल्म के हिट होने का कारण

फिल्मी एक्सपर्ट कहते हैं कि यदि कोई फिल्म किन्ही दो हिंदी भाषी राज्यों में टैक्स फ्री हो जाए तो उसे कोई हिट करने से नहीं रोक सकता। लेकिन यह क्या? पांच हिंदी भाषी राज्यों से ज्यादा राज्यों में इसे टैक्स फ्री किया गया। लेकिन उसका भी कोई खास असर नहीं हुआ।

50 करोड़ में बनी है फिल्म

50 करोड़ से बनी फिल्म दा साबरमती रिपोर्ट अपनी लागत का 50 फीसदी भी नहीं कमा पायी है। फिल्म को लांच हुए तीन हफ्ते हो चुके हैं और अब पुष्पा–2 की रिलीज में सिर्फ एक दिन बाकी है। ऐसे में इस फिल्म के सामने कमाई के लिए महज एक दिन का समय शेष है। जानकारों की माने तो एक दिन में कुछ नहीं होने वाला। फिल्म की ओपनिंग फीकी रही और रिलीज डे पर न के बराबर टिकट बिकी। आल इंडिया रिलीज के बावजूद भी फिल्म ने पहले हफ्ते में 12 करोड़, दूसरे हफ्ते में 11 करोड़ और तीसरे हफ्ते में 6 करोड़ की कमाई की। फिल्म जैसे जैसे आगे बढ़ रही है वैसे वैसे कमाई कम हो रही है।

टाइम मैनेजमेंट और सब्जेक्ट होता है महत्वपूर्ण

किसी भी फिल्म की कथावस्तु यानि कि स्क्रि प्ट, विषय और टाइम मैनेजमेंट महत्वपूर्ण होता है। नफरती एजेंडे की अगर बात करे तो फिल्म केरला स्टोरीज को छोड़कर कोई भी फिल्म खास नहीं कर पायी है। दा साबरमती को लेकर भी ऐसा ही आंकलन किया गया था कि यह फिल्म भी केरला स्टोरीज की तरह हिट होगी लेकिन ऐसा नहीं हो पाया।

विक्रांत मैसी का संन्यास नहीं बना पाई चांस

फिल्म नहीं चलती दिखी तो पीआर एक्सरसाइज के तहत फिल्म में लीड रोल निभा रहे विक्रांत मैसी के फिल्मी संन्यास की खबर आयी। संन्यास के जरिये लोगों की भावनाओं को जोड़ने की कोशिश की गयी। इस कोशिश का भी फिल्म को हिट नहीं करा पाई। 12वीं फेल' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म देने वाले एक्टर विक्रांत मैसी सब्जेक्टिव फिल्मों के बादशाह माने जाते हैं। उम्मीद थी कि उनकी ब्रांड का असर होगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। फिल्म रिलीज के बीच किसी एक्टर के संन्यास लेने की यह पहली खबर है। और फिल्मी क्रीटिक्स का यही मानना है कि यह फिल्म निर्माताओं की तरफ से एक पीआर एक्सरसाइज थी।

झारखंड में भाजपा होगी खंड-खंड !

» करारी हार से बीजपी में रार

» सोरेन के रणनीति में फंस गए बीजपी नेता

» पार्टी संगठन में कर सकती है बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। दो राज्यों में चुनावों के नतीजे आ चुके हैं। जहां महाराष्ट्र में एनडीए- महायुति व झारखंड में इंडिया गठबंधन जीत चुकी है। महाराष्ट्र में बीजेपी-एनसीपी-शिवसेना की तिकड़ी अब तक सीएम के चेहरे पर सहमति नही बना पा रही है जबकि झारखंड में हेमंत सोरेन सीएम बनकर काम भी करने लगे है। उधर झारखंड में बीजेपी की हार के बाद वहां पार्टी में कोहराम मचा है। भाजपा राज्य में बड़ी हार के बाद परेशान है अब वह संगठन में आमूलचूल बदलाव का मना बना रही है।

दरअसल, झारखंड में भाजपा की बड़ी हार के बाद पार्टी में बड़े पैमाने पर बदलाव की आशंका की सुगबुगाहट पर प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने मुहर लगाई है। दरअसल हाल ही में खत्म हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 68 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें से उसे मात्र 21 सीटों पर जीत नसीब हुई। रांची में भाजपा की दो दिवसीय चुनाव समीक्षा बैठक के बाद भाजपा के झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष का चयन अगले साल फरवरी तक हो सकता है। यह घोषणा 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद की गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान 7 या 8 दिसंबर को राज्य में शुरू होगा।

सांसद डी. पुरंदेश्वरी को दी गई अहम जिम्मेदारी

भाजपा के झारखंड प्रभारी ने बताया कि सांसद डी. पुरंदेश्वरी को झारखंड में सदस्यता अभियान देखने के लिए नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा, सदस्यता अभियान को कैसे आगे बढ़ाया जाए, इस बारे में मार्गदर्शन देने के लिए वह शनिवार या रविवार को झारखंड में होंगी। वहीं पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि दो दिवसीय बैठक पांच सत्रों में हुई और चुनाव संचालन से लेकर प्रबंधन और नतीजों तक हर चीज पर चर्चा की गई।

सदस्यता अभियान से आम जन तक पहुंचेगी भाजपा

लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने आगे कहा, इस सदस्यता अभियान के माध्यम से हम प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचेंगे और एक ऐसा संगठन बनाएंगे जो सभी को सुरक्षा प्रदान करेगा। बता दें कि बाबूलाल मरांडी अभी झारखंड भाजपा के अध्यक्ष हैं।

लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने कहा कि दो दिवसीय बैठक के दौरान प्राप्त सभी फीडबैक को नोट कर लिया गया है और यहां संगठन को मजबूत करने के लिए पार्टी की भविष्य की योजनाओं में इनपुट को ध्यान में रखा जाएगा।

राज्य चुनाव में भाजपा का बुरा हाल

हाल ही में संपन्न झारखंड चुनाव में भाजपा ने 81 विधानसभा सीटों में से 68 पर चुनाव लड़ा था, लेकिन केवल 21 सीटों पर ही जीत दर्ज कर पाई। झारखंड भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र राय ने कहा कि उन्हें पूरे राज्य से पार्टी के लिए सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली हैं। उन्होंने कहा, चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में नहीं थे। यह केवल झामुमो, कांग्रेस और राजद की तरफ से जाति और धर्म के बारे में फैलाई गई गलत सूचनाओं के कारण था। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय बैठक में उन्हें संगठन या उम्मीदवारों की ओर से कोई कमी नहीं दिखी।

लोगों तक मुद्दों को पहुंचाने में कुछ कमी थी : रवींद्र राय

रवींद्र राय ने आगे चुनावी नतीजों को स्वीकार करते हुए कहा कि, हां, लोगों तक मुद्दों को पहुंचाने में कुछ कमी थी। राज्य में पार्टी का वोट शेयर बढ़ा है। आने वाले दिनों में हम और मजबूत होकर उभरेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम चाहे जो भी हों, पार्टी लोगों के हित में काम करेगी और सरकार पर कड़ी नजर रखेगी कि वह चुनाव के दौरान लोगों से किए गए वादों को पूरा कर रही है या नहीं। पार्टी के कुछ अंदरूनी सूत्रों ने दावा किया कि राज्य में भाजपा की हार के पीछे अति आत्मविश्वास, पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा, आंतरिक मतभेद और झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार की लोकलुभावन कल्याणकारी योजना मईयां सम्मान योजना बड़ी वजह थे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बच्चों की मृत्यु दर में कमी लाने का हो प्रयास!

प्रधानमंत्री मोदी स्वछता अभियान का ढिंढोरा पूरी दुनिया में घूम-घूम कर पीटते है। पर एक रिपोर्ट में ऐसा खुलासा हुआ है कि खुले में शौचजाना या अच्छी सफाई व्यवस्था की कमी की वजह बच्चों में कुपोषण बढ़ रहा है। हालांकि आमतौर पर यह माना जाता है कि बच्चों में कुपोषण का कारण पर्याप्त पोषण की कमी या गरीबी है। अध्ययन में यह पाया गया है कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालय बनने से बच्चों की मृत्यु दर में कमी आई है, लेकिन, यह कमी सिर्फ शौचालयों की वजह से नहीं है, इसके पीछे कई और कारण भी हैं, जैसे कि ज्यादा मांएं शिक्षित हो रही हैं, गर्भवती महिलाओं को बेहतर देखभाल मिल रही है, ज्यादा बच्चे अस्पताल में पैदा हो रहे हैं, ज्यादा लोगों के पास स्वास्थ्य बीमा है। अगर भारत में अच्छे शौचालयों का इस्तेमाल बढ़ाया जाए, तो बच्चों की मृत्यु दर में काफी कमी आ सकती है, अध्ययन के अनुसार, अगर सभी राज्यों में अच्छे प्राइवेट और पब्लिक टॉयलेट का इस्तेमाल 7.2 प्रतिशत बढ़ जाए, तो बच्चों में स्टंटिंग (कद छोटा होना) 7.4प्रतिशत कम हो जाएगा। स्टंटिंग कुपोषण का एक प्रकार है जो बच्चों के विकास को रोकता है और उन्हें कई बीमारियों का शिकार बनाता है।

दुनिया में अभी भी 1.5 रब से ज्यादा लोग अपने घरों में शौचालय का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं, इनमें से 41.9 करोड़ लोग खुले में शौच जाते हैं, जैसे नालियों के पास या झाड़ियों के पीछे नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट में बताया है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर घर में शौचालय की सुविधा की कमी, सफाई व्यवस्था और सीवेज सिस्टम से जुड़ी हुई है। साफ-सफाई और बाल मृत्यु दर के बीच गहरा संबंध है। 30 देशों के 38 सर्वेक्षणों के डेटा का इस्तेमाल करके पाया कि घर में फ्लश टॉयलेट और पाइप्ड पानी की सुविधा होने से बच्चों की मृत्यु दर काफी कम हो जाती है. इससे बच्चों की शुरुआती मौत का खतरा लगभग 8 प्रतिशत कम हो सकता है, अच्छी सफाई व्यवस्था वाले घरों में रहने वाले बच्चों की मृत्यु का खतरा उन बच्चों की तुलना में 20प्रतिशत कम होता है जो खराब सफाई व्यवस्था वाले घरों में रहते हैं। बच्चों के कुपोषण के पीछे कई कारण होते हैं. पैसों की कमी और खाने की कमी तो अहम हैं ही, लेकिन अगर आस-पास गंदगी हो तो उसका भी बहुत बुरा असर होता है. अगर बच्चों के आस-पास गंदगी है तो बच्चों को पोषण की कमी (कुपोषण) हो सकती है. गंदगी की वजह से बीमारियां फैलती हैं, जिससे बच्चे कमजोर हो जाते हैं और खाना ठीक से नहीं पचा पाते। सरकारों को चाहिए कि सिर्फ कागजी आंकड़ों से उपलब्धियां न बताएं जमीनी स्तर की सच्चाईको देखें और फिर ऐसी योजनाएं बनाए जिनसे बच्चों की जा बचाई जा सकी।

“ अध्ययन में यह पाया गया है कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालय बनने से बच्चों की मृत्यु दर में कमी आई है, लेकिन, यह कमी सिर्फ शौचालयों की वजह से नहीं है, इसके पीछे कई और कारण भी हैं, जैसे कि ज्यादा मांएं शिक्षित हो रही हैं, गर्भवती महिलाओं को बेहतर देखभाल मिल रही है, ज्यादा बच्चे अस्पताल में पैदा हो रहे हैं, ज्यादा लोगों के पास स्वास्थ्य बीमा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चालीस साल बाद भी हरे हैं हादसे के जख्म

योगेश कुमार गोयल

दो-तीन दिसम्बर, 1984 की रात भोपाल में हुई गैस त्रासदी एक भीषण औद्योगिक दुर्घटना थी, जिसमें यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस ने हजारों लोगों की जान ले ली। यह घटना दुनिया की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटनाओं में से एक मानी जाती है, जिसके घाव आज भी लोगों के दिलों में हैं। भोपाल गैस त्रासदी से लाखों लोग प्रभावित हुए और दुर्घटना के कुछ ही घंटों में हजारों की मौत हो गई। यह दिल दहलाने वाला सिलसिला केवल उस रात तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कई वर्षों तक जारी रहा, जिससे अनगिनत लोग शारीरिक और मानसिक रूप से प्रभावित हुए।

भोपाल गैस कांड को 40 साल बीत जाने के बाद भी इसके प्रभाव पूरी तरह से खत्म नहीं हो पाए हैं। पीड़ित परिवारों को अतिरिक्त मुआवजा देने का मामला अभी भी लटका हुआ है। गैस पीड़ितों के लिए काम करने वाले चार संगठनों ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की, जिसमें प्रत्येक पीड़ित को 5 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की गई है। भोपाल ग्रुप फॉर इन्फॉर्मेशन एंड एक्शन के अनुसार, याचिका में गैस पीड़ितों को कैंसर और किडनी जैसी गंभीर बीमारियों के लिए अतिरिक्त मुआवजा देने की मांग की गई है, जिसमें वे लोग भी शामिल हैं, जो अभी भी गैस के प्रभाव से शारीरिक क्षति झेल रहे हैं। 12 जनवरी, 2023 को सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने केन्द्र सरकार से कहा था कि मुआवजा देने के लिए अन्य किसी पर निर्भर रहने के बजाय अपनी जिम्मेदारी निभाए और अपने संसाधनों से मदद करे। अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि केन्द्र सरकार यूनियन कार्बाइड कम्पनी का इंतजार क्यों कर रही है। भोपाल गैस त्रासदी में मारे गए हजारों लोगों व जानवरों के अलावा आसपास के पेड़ भी बंजर हो गए। शोध से यह तथ्य सामने आया कि गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों में किडनी, गले और फेफड़ों का कैंसर 10 गुना अधिक पाया गया।

साथ ही इस बस्ती में टीबी और पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी काफी ज्यादा है। इस त्रासदी से जो लोग जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों

में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनेट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया, लेकिन भोपाल गैस त्रासदी के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण खराब थे और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था। टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा गैस भरी हुई थी, और उसका तापमान 4.5 डिग्री के बजाय 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले वेंट भी बंद थे, और बिजली बचाने के लिए कूलिंग के लिए बनाए गए फ्रीजिंग प्लांट को बंद कर दिया गया था। तीन दिसम्बर, 1984 को इस कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का रिसाव हुआ, जिसका एक प्रमुख कारण यह था कि टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के साथ पानी मिल जाने से रासायनिक प्रतिक्रिया हुई, जिसके परिणामस्वरूप टैंक में दबाव बना और उसका तापमान 200 डिग्री से ऊपर पहुंच गया। इससे धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वाल्व उड़ गया, और जहरीली गैस तेजी से पूरे वायुमंडल में फैल गई। अचानक हुए इस गैस रिसाव से बने गैस के बादल हवा के झोंकों के साथ फैल गए, और जो लोग उसकी चपेट में आए, वे मौत की नींद सोते चले गए। जिन लोगों के फेफड़ों में गैस की अधिक मात्रा सांस के माध्यम से पहुंची, वे सुबह तक जीवित नहीं रहे। बहुत सारे लोग ऐसे थे जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। दुर्घटना के चार दिन बाद, 7 दिसम्बर 1984 को यूसीआईएल के अध्यक्ष और सीईओ वारेन एंडरसन की गिरफ्तारी हुई, लेकिन विडंबना यह थी कि इतने भयानक हादसे के मुख्य आरोपी को महज छह घंटे बाद, 2100 डॉलर के मामूली जुर्माने पर रिहा कर दिया गया।

इसके बाद, वह भारत छोड़कर अपने देश अमेरिका भाग गया। भारत में उसे सजा दिलवाने के लिए लगातार मांग उठती रही, लेकिन भारत सरकार अमेरिका से उसका प्रत्यर्पण कराने में विफल रही। 29 सितंबर, 2014 को वारेन एंडरसन की मौत हो गई। इस हादसे से पर्यावरण को ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई है।

वन संपदा के क्षरण से जैव विविधता का संकट

मुकुल व्यास

दुनिया के जंगल इस समय बड़े दबाव में हैं क्योंकि पेड़ों की कई प्रजातियां लुप्त होने के कगार पर हैं। नए अध्ययन से पता चला है कि पेड़ों की कुछ प्रजातियों को खोने से न केवल स्थानीय वनों को नुकसान होगा, बल्कि इससे समूचे पारिस्थितिकी तंत्र को भी खतरा हो जाएगा। पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र में पेड़ों की विविधता की बहुत बड़ी भूमिका होती है। विश्व में पेड़ों की स्थिति के बारे में 2021 में किए गए एक वैश्विक मूल्यांकन में पाया गया कि सभी वृक्ष प्रजातियों में से एक-तिहाई के समक्ष इस समय अस्तित्व का संकट है। इसका अर्थ यह है कि लगभग 17,500 दुर्लभ और विशिष्ट वृक्ष प्रजातियां लुप्तप्राय हैं।

यह संख्या दुनिया में खतरे में पड़े स्तनधारी जानवरों, पक्षियों, उभयचरों और सरीसृपों की संख्या से दोगुना से भी ज्यादा है। जो पेड़ सबसे ज्यादा संकट में हैं उनमें विराट तटीय रेडवुड और डायनासोर युग के वोलेमी पाइन शामिल हैं। कुछ पेड़ इतने दुर्लभ हैं कि उनकी प्रजाति का केवल एक ही ज्ञात पेड़ बचा है। इनमें मॉरीशस में हियोफोर्ब अमरिकौलिस नामक ताड़ के अकेले वृक्ष का उल्लेख किया जा सकता है। वर्ष 2022 में एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पेड़ों की क्षति के परिणामों के बारे में 'मानव जाति को चेतावनी' जारी की थी, जिसका समर्थन 20 विभिन्न देशों के 45 अन्य विज्ञानियों ने किया था। बॉटनिक गार्डन कंजर्वेशन इंटरनेशनल के संरक्षण जीव विज्ञानी मालिन रिवर्स और उनके सहयोगियों ने पेड़ों की क्षति से हमारी अर्थव्यवस्थाओं, आजीविका और भोजन पर पड़ने वाले कई प्रभावों को रेखांकित किया है। हमारे अधिकांश फल पेड़ों से आते हैं। पेड़ों से मिलने वाले फलों, मेवों, दवाओं और गैर-लकड़ी उत्पादों का लगभग 88 अरब डॉलर का व्यापार होता है। विकासशील देशों में 88 करोड़ लोग ईंधन के लिए जलाऊ लकड़ी पर निर्भर हैं। दुनिया ने 1.6 अरब लोग जंगल के 5 किलोमीटर के दायरे में रहते हैं। ये लोग भोजन और आय के लिए जंगल पर निर्भर हैं।

कुल मिलाकर पेड़ वैश्विक अर्थव्यवस्था में सालाना लगभग 1300 अरब डॉलर का योगदान करते हैं। फिर भी हम हर साल बड़ी संख्या में पेड़ों को नष्ट कर रहे हैं। पेड़ अपने आप मे एक छोटी दुनिया है, जिसमें सभी प्रकार के एकल और बहुकोशिकीय जीवन रूप पनपते हैं, जिसमें दूसरे पौधे, कवक, बैक्टीरिया और जानवर शामिल हैं। एक पेड़ को खोने से यह पूरी दुनिया भी खत्म हो जाती है। ये पेड़ अक्सर अपने आसपास के जीवन के लिए सहायक आधार बनाते हैं। वास्तव में, दुनिया के आधे जानवर और पौधे पेड़ों वाले आवासों पर निर्भर हैं। यदि हम पेड़ों की देखभाल नहीं करते हैं तो हम वहां मौजूद सभी अन्य जीवों की देखभाल भी नहीं कर पाएंगे। पेड़ों की विविधता खोने से जैविक संबंधों का संपूर्ण ताना-बाना कमजोर हो जाता हैं। यदि भिन्नता में कमी आती है तो इम्यून रिस्पॉन्स में कमी आएगी। जीनों में विविधता कम होगी। पर्यावरणीय परिस्थितियों के प्रति प्रतिक्रियाओं में विविधता भी कम होगी। दूसरे शब्दों में, कम विविधता से पृथ्वी पर जीवन के जटिल चक्र को प्रभावित करने वाले खतरों से बचने की संभावना कम हो जाएगी।

कुछ वृक्ष प्रजातियां आसपास की प्रजातियों से परस्पर क्रिया करती हैं और उन्हें अन्य प्रजातियों द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। एक वृक्ष प्रजाति के विलुप्त होने से उसके साथ क्रिया करने वाली हर चीज पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। इनमें पृथ्वी के ओलिगोसीन युग के प्राचीन जंगलों से बचे हुए विशिष्ट ड्रैगन ब्लड वृक्ष (ड्रैकेना सिनाबारी) शामिल हैं, जो कई अन्य प्रजातियों के मेजबान हैं। ये प्रजातियां पूरी तरह से इन वृक्षों पर निर्भर हैं, जिनमें कई अन्य पौधे और उन्हें परागित करने वाले गेको गिरगिट शामिल हैं। ओलिगोसीन युग करीब 3.39 करोड़ वर्ष पहले आरंभ हुआ था जो करीन 2.3 करोड़ वर्ष पहले तक चला था। हमारे घटते जंगलों पर निर्भर रहने वाली प्रजातियां 1970 के बाद से लगभग 53 प्रतिशत कम हो चुकी हैं। दुनिया भर में और अधिक वन बढ़ते तनाव के संकेत दे रहे हैं। पेड़ पृथ्वी की मिट्टी, वायुमंडल और मौसम के साथ भी मजबूती से जुड़े हुए हैं। वे हमारी हवा को साफ करते हैं, ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं और वर्षा को सुगम बनाते हैं। वे दुनिया के सुलभ मीठे पानी का तीन-चौथाई हिस्से को संगृहीत करते हैं। पेड़ पानी का संग्रह जड़ों, तनों, शाखाओं और पत्तों में करते हैं। पेड़ अपनी पत्तियों में वर्षा जल को रोककर, पानी के बहाव को रोककर, अपनी जड़ों से नदी के किनारों को स्थिर करके वर्षा जल का प्रबंधन करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संघ के अनुसार, एक परिपक्व सदाबहार पेड़ हर साल 15,000 लीटर से अधिक पानी को रोक सकता है। पानी के अलावा पेड़ दुनिया की आधे से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड को भी जमा करते हैं जो आज एक बड़ा सिरदर्द बन गई है। जिन जंगलों में ज्यादा विविधता है वे एक जैसे पेड़ों की तुलना में अधिक कार्बन संगृहीत करते हैं। बड़ी संख्या में पेड़ खोने से हमारे ग्रह पर कार्बन, पानी और पोषक तत्वों का चक्र अव्यवस्थित हो जाएगा। अनेक पारिस्थितिक कार्यों में पेड़ महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे न केवल कार्बन का संग्रह करते हैं, बल्कि जानवरों को भी आवास प्रदान करते हैं। मिट्टी को स्थिर करने के अलावा पेड़ कीटों और बीमारियों, तूफानों और प्रतिकूल मौसम का प्रतिरोध करते हैं। पेड़ों और अन्य वनस्पतियों के नष्ट होने से जलवायु परिवर्तन, रेगिस्तानीकरण, भूक्षरण, बाढ़ और वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि होती है।

बार-बार लगती है भूख तो खाएं ये हेल्दी स्नैक्स

क्या सुबह के नाश्ता करने के एक-दो घंटे बाद आपको फिर से भूख लग जाती है? रात के खाने के समय होने से पहले ही खाना खाने का मन करने लगता है? कुल मिलाकर क्या आपको थोड़ी-थोड़ी देर में भूख लगती रहती है? अब ऐसी समस्या में ओवर ईटिंग की शिकायत हो सकती है। पाचन खराब या वजन बढ़ने की संभावना रहती है। ज्यादा खाना भी नुकसानदायक है, लेकिन अब भूख को नियन्त्रित नहीं कर पा रहे तो छोटी मोटी चटर-पटर वाले स्नैक्स खाकर पेट भरते हैं। ऐसा करना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे में शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए कुछ हेल्दी स्नैक्स खा सकते हैं जिन्हें बनाना भी आसान है और लम्बे समय तक पेट भी भरा महसूस होता है।

स्प्राउट्स

स्प्राउट्स में अंकुरित अनाज शामिल होता है। इसमें कुछ दालें, सोयाबीन, राजमा, ब्राउन चावल, क्विनोओ और जई शामिल हैं। स्प्राउट्स में भरपूर फाइबर होता है, जो हमे ओवरइटिंग से रोकता है। यह मधुमेह रोगियों के लिए अच्छा है। कब्ज से पीड़ित लोगों के लिए और बार बार भूख लगने की समस्या से परेशान लोगों के लिए फायदेमंद होता है।

फ्रूट चाट

फल सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं, साथ ही गर्मी में शरीर को हाइड्रेट रखने में सहायक होते हैं। अगर दोपहर के खाने के बाद या डिनर से पहले आपको भूख लग जाए तो फलों को काटकर उसका सेवन कर सकते हैं। सेब, केला, अनार, संतरा, पपीता और मौसमी फल जैसे तरबूज, खरबूजा या खीरा आदि काटकर उसमें काला नमक, काली मिर्च या चाट मसाला मिलाकर खाएं। इसका स्वाद लजीज तो होता ही है, साथ ही सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है।

ओट्स

ओट्स के सेवन से जल्द भूख नहीं लगती है। रेडी टू ईट खाने की तुलना में दलिया या ओट्स का सेवन लंबे समय तक आपका पेट भरा रखता है। इसमें कम कैलोरी और उच्च फाइबर पाया जाता है। इसके सेवन से स्किन पर खुजली, सूजन और रैशेज जैसी समस्याएं नहीं होती हैं। ओट्स के सेवन से आपका इंटेस्टाइन साफ होता है जिससे आपको कब्ज या गैस की समस्या नहीं होती है। लोग अपने नाश्ते में ओट्स को शामिल करने के लिए इसका कई तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं। आप फल, सब्जियां, नट्स और अन्य चीजों के साथ इसका सेवन कर सकते हैं। आप इसका चीला, खिचड़ी, ओट्स, डोसा और इडली भी बना सकते हैं।

भुने चने

फाइबर, पोटेशियम और मैग्नीशियम से भरे चने में ज्यादा कैलोरी नहीं होती। साथ ही इसके सेवन से जल्दी पेट भर जाता है। ये मोटापा, मधुमेह और हृदय रोगों को रोकने में भी असरदार है। बार-बार भूख लगती है तो भुने चने का सेवन कर सकते हैं, पेट भरा भरा महसूस होगा। भुना चना तो आपने कई बार खाया होगा। कई लोगों को तो रोस्टेड चना इतना ज्यादा पसंद होता है कि वो रोजाना दिन में एक वक्त इसका सेवन जरूर करते हैं। अगर किसी के शरीर में खून की कमी है तो रोजाना भुना चना खाए। भुना चना शरीर में खून की कमी की समस्या को दूर करता है। इसमें प्रचुर मात्रा में आयरन होता है। जो कि खून की कमी को दूर करने में कारगर है।

रोस्टेड मखाना

मखाना प्रोटीन, फास्फोरस, कैल्शियम, मैग्नीशियम, कार्ब्स और आयरन से भरपूर होता है। मखाने में कैलोरी कम और फाइबर की मात्रा अधिक होती है। मखाने के सेवन से लंबे समय तक पेट भरा महसूस होता है और भूख नहीं लगती है। मखाने को हल्का रोस्ट कर लें, चाहे तो नमक या पिसी काली मिर्च मिलाकर स्वाद बढ़ा सकते हैं।

हंसना मना है

लड़का-कहां जा रही हो? लड़की- आत्महत्या करने। लड़का- तो इतना मेकअप क्यूं किया है? लड़की- अनपढ़, कल न्यूजपेपर में फोटो तो आएगी ना।

यात्री (अखबार पढ़ते- पढ़ते)- अरे भाई कुली, मुझे उस डिब्बे मैं बिठाना, जहां बाते करने वाला कोई न हो ताकि मैं अखबार पढ़ सकूं। कुली(बाबू जी) -आप चिन्ता न करें, मैं आपको माल गाड़ी के डिब्बे में बिठाऊंगा।

संता ने लड़की को प्रपोज किया- क्या तुम मुझसे शादी करोगी? लड़की-तमीज से बात करो। संता- बहन जी, क्या आप मुझसे शादी करेंगी?

इश्क में ये अंजाम पाया है, हाथ पैर टूटे, मुंह से खून आया है! हॉस्पिटल पहुंचे तो नर्स ने फरमाया बहारों फूल बरसाओ, किसी का आशिक आया है!

प्रेमिका- तुम तो बस काम में लगे रहते हो! मेरी तो परवाह ही नहीं करते! प्रेमी- एक बात तुम गौर से सुन लो! प्यार करने वाले किसी की परवाह नहीं करते!

सन्ता- मां खुशखबरी है, हम दो से तीन हो गये हैं? मां- बधाई हो बेटा, क्या हुआ है, बेटा या बेटी? सन्ता-ना बेटा, और ना बेटी, मैने दुसरी शादी कर ली है।

कहानी | चतुर मुर्गा

एक घने जंगल में एक पेड़ पर मुर्गा रहा करता था। वह रोज सुबह सूरज निकलने से पहले उठ जाता था। उठने के बाद वह जंगल में दाना-पानी चुगने के लिए चला जाता था और शाम होने से पहले वापस लौट आता था। उसी जंगल में एक चालाक लोमड़ी भी रहती थी। वह रोज मुर्गे को देखती और सोचती, कितना बड़ा और बढ़िया मुर्गा है। अगर यह मेरे हाथ लग जाए, तो कितना स्वादिष्ट भोजन बन सकता है, लेकिन मुर्गा कभी भी उस लोमड़ी के हाथ नहीं आता था। एक दिन मुर्गे को पकड़ने के लिए लोमड़ी ने एक तरकीब निकाली। वह उस पेड़ के पास गई, जहां मुर्गा रहता था और कहने लगी, अरे ओ मुर्गे भाई! क्या तुम्हें खुशखबरी मिली? जंगल के राजा और हमारे बड़ों ने मिलकर सारे लड़ाई-झगड़े खत्म करने का फैसला किया है। आज से कोई जानवर किसी दूसरे जानवर को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। इसी बात पर आओ, नीचे आओ। हम गले लगकर एक दूसरे को बधाई दें। लोमड़ी की यह बात सुनकर मुर्गे ने मुस्कुराते हुए उसकी तरफ देखा और कहा, अरे वाह लोमड़ी बहन, ये तो बहुत अच्छी खबर है। पीछे देखो, शायद इसलिए हमसे मिलने हमारे कुछ और दोस्त भी आ रहे हैं। लोमड़ी ने हैरान हो कर पूछा, दोस्त? कौन दोस्त? मुर्गे ने कहा, अरे वो शिकारी कुत्ते, वो भी अब हमारे दोस्त हैं न? कुत्तों का नाम सुनते ही, लोमड़ी ने न आव देखा न ताव और उनके आने की उल्टी दिशा में दौड़ पड़ी। मुर्गे ने हंसते हुए लोमड़ी से कहा, अरे-अरे लोमड़ी बहन, कहां भाग रही हो? अब तो हम सब दोस्त हैं न? हां-हां दोस्त तो हैं, लेकिन शायद शिकारी कुत्तों को अभी तक यह खबर नहीं मिली है, यह कहते हुए लोमड़ी वहां से भाग निकली और मुर्गे की सूझबूझ की वजह से उसकी जान बच गई।

कहानी से सीख: बच्चों, चतुर मुर्गा और चालक लोमड़ी की कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि किसी भी बात पर आसानी से विश्वास नहीं करना चाहिए और चालाक लोगों से हमेशा सावधान रहना चाहिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। बिगड़े काम बनेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

वृषभ धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

मिथुन वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी।

सिंह स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा।

कन्या किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लेन-देन में सावधानी रखें।

तुला आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। विवाद न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे।

मकर कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

कुम्भ आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

मीन यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा।

अब 'चामुंडा' बन पर्दे पर तबाही मचाएंगी आलिया

बॉलीवुड को 'स्त्री 2' जैसी ब्लॉकस्टर फिल्म देने वाले दिनेश विजान बहुत जल्द बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका करने वाले है। जल्द ही दिनेश एक नई सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म लेकर आ रहे हैं। जिसका नाम चामुंडा है। खबरें हैं कि दिनेश की इस फिल्म में श्रद्धा कपूर नहीं बल्कि आलिया भट्ट सबको डराने वाली है।

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक आलिया भट्ट इस वक्त दिनेश विजान की फिल्म 'चामुंडा' के लिए उनके चर्चा कर रही है। वहीं मेकर्स भी आलिया पर बड़ा दांव लगाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हाल ही में आलिया को कई बार मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस में भी स्पॉट किया गया है। वहीं जानकारी के अनुसार आलिया को दिनेश विजान की ये सुपरनैचुरनल थ्रिलर फिल्म काफी पसंद आई है। एक्ट्रेस अगले साल फिल्म को साइन भी कर सकती है। जानकारी की अनुसार इस फिल्म में पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी नजर आने वाली थी। उस वक्त फिल्म का टाइटल देवी बताया जा रहा था। लेकिन अब इसे बदलकर 'चामुंडा' कर दिया गया है। बता दें दिनेश विजान की 'स्त्री 2' ने हाल ही में रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी। जिसमें श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी और तमन्ना भाटिया जैसे स्टार्स नजर आए थे।

बॉलीवुड | गपशप

वहीं बात करें आलिया भट्ट के वर्कफ्रंट की तो एक्ट्रेस आखिरी बार फिल्म 'जिगरा' में नजर आई थी। जिसमें उनके साथ वेदांग रैना भी अहम किरदार में थे। उन्होंने एक्ट्रेस के भाई का रोल निभाया था। वहीं इसके अलावा आलिया की पाइपलाइन में 'अल्फा' भी है। जिसमें वो शरवरी वाघ के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

बता दें कि आलिया भट्ट अपने बिजी शेड्यूल के बीच फैमिली पर भी पूरी ध्यान दे रही है। हाल ही में वो अपने पति रणबीर कपूर और बेटी राहा कपूर के साथ मैच देखने स्टेडियम पहुंची थी। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई है।

कविता कौशिक ने की विवेक ओबेरॉय की तारीफ

सलमान खान और विवेक ओबेरॉय के बीच विवाद काफी पुराना है, जिसकी वजह से विवेक ओबेरॉय को निजी जिंदगी के साथ-साथ करियर में काफी कुछ सहना पड़ा था। टेलीविजन शो 'एफआईआर' से मशहूर हुई एक्ट्रेस कविता कौशिक ने अब विवेक ओबेरॉय का समर्थन किया है। एक्ट्रेस ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वे बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबेरॉय की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने एक पोस्ट का हवाला देते हुए ट्वीट किया, जिसमें यूजर ने विवेक ओबेरॉय की कुल संपत्ति करीब 1200 करोड़ रुपए बताई थी।

कविता कौशिक ने पोस्ट में लिखा, 'एक बेहतरीन एक्टर, महिला के लिए आवाज उठाई और सबसे बड़ा सच बोलने की वजह से संघर्ष किया, लेकिन हम एक देश के रूप में स्वैग, दादागिरी और रोस्टिंग से प्रभावित हैं।' सलमान के लिए कविता की कड़वाहट रियलिटी शो 'बिग बॉस' में उनकी मौजूदगी के वक्त उपजी थी, जहां सुपरस्टार ने उन्हें रुबीना दिलैक और उनके पति अभिनव शुक्ला को परेशान करने के लिए फटकार लगाई थी।

विवेक ने 2003 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि सलमान खान ने एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय के साथ उनके रिश्ते की वजह से धमकाया था।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे खिलाफ साजिश के तहत दर्ज हुआ मामला : राम गोपाल वर्मा

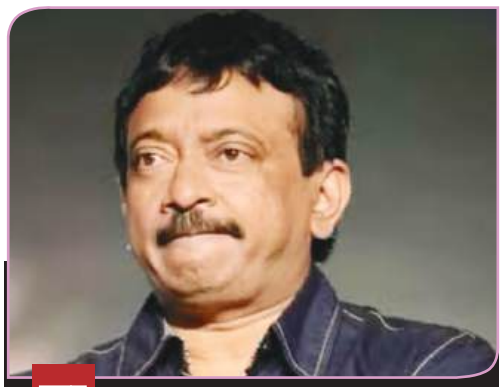

राम गोपाल वर्मा इन दिनों कानूनी मुसीबतों का सामना कर रहे हैं। उन्हें तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेताओं, जिनमें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उनके बेटे नारा लोकेश और बहू ब्राह्मणी के बारे में सोशल मीडिया पर कथित रूप से आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने के आरोप में एक पुलिस मामले का सामना करना पड़ रहा है। राम गोपाल वर्मा ने कहा कि यह मामला लगभग एक साल पहले किए गए एक ट्वीट से संबंधित है। निर्देशक ने कहा कि उस समय में उन्होंने एक हजार से ज्यादा ट्वीट किए थे, इसलिए इस ट्वीट के बारे में उन्हें कुछ भी याद नहीं है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में कोई प्राथमिक प्रमाण नहीं है और यह एक साजिश हो सकती है। राम गोपाल वर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि मीडिया में उनके खिलाफ तरह-तरह की अफवाहें फैलाई जा रही हैं। यह मामला प्रकाशम जिले में टीडीपी के मंडल सचिव रामलिंगम की शिकायत पर दर्ज किया गया था। उप निरीक्षक शिव रामैया के अनुसार इस मामले को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत पंजीकृत किया है और जांच शुरू कर दी गई है। इससे पहले इस मामले में पुलिस ने 13 नवंबर को फिल्मकार को नोटिस जारी कर मङ्गीपाडु पुलिस स्टेशन में जांच अधिकारी के सामने पेश होने का निर्देश दिया था। हालांकि, वह पुलिस के सामने पेश नहीं हुए और उन्होंने जांच के लिए खुद को उपलब्ध कराने के लिए समय मांगा था। राम गोपाल वर्मा पर आरोप है कि उन्होंने अपनी फिल्म व्यूहम के प्रमोशन के तहत सोशल मीडिया पर विवादास्पद पोस्ट किए थे। यह शिकायत तीन हफ्ते पहले की गई थी। राम गोपाल वर्मा को फिल्म इंडस्ट्री में अपनी फिल्मों जैसे रंगीला, कंपनी और सत्या के निर्देशन के लिए जाना जाता है, जो उनके करियर के प्रमुख हिट फिल्में हैं। अब यह देखना होगा कि इस मामले में आगे क्या कदम उठाए जाते हैं।

इस देश में आंसू पोंछने के लिए रेंट पर रखे जाते हैं लोग

जापान अपनी अनूठी संस्कृति, तकनीकी प्रगति और असाधारण सेवाओं के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यहां हर समस्या का हल ढूंढने की कला विकसित हो चुकी है। इन्हीं सेवाओं में से एक है आंसू पोंछने के लिए किराए पर उपलब्ध लोग। कई बार लोग किसी कारणवश बहुत भावुक हो जाते हैं और रोने लगते हैं। ऐसे में उन्हें ऐसे किसी कंधे की जरूरत होती है जो उनकी भावनाओं को समझे और उनके आंसू पोंछे। जापान के टोक्यो में कंपनी ने एक ऐसी सुविधा देने की कोशिश की जिससे कर्मचारियों का तनाव कम हो सके। इस सुविधा का नाम हैंडसम वीपिंग बॉयज़ रखा गया। दरअसल, हिरोकी तराई नाम के शख्स ने 'इकेमेसो दान्शी' इस अनोखी पहल की कल्पना की। इसके बाद उन्होंने इसे बतौर व्यवसाय शुरू किया। इसका उद्देश्य है कि लोगों के भावनात्मक अभिव्यक्ति को न केवल सहन किया जाए बल्कि गले लगाया जाए और सम्मानित किया जाए। उसकी कद्र की जाए। बता दें कि 7,900 येन या लगभग 4,400 रुपये के शुल्क पर, जापान में व्यक्ति अब 'इकेमेसो दान्शी' के एक हैण्डसैम ल?के की सेवाएं ले सकते हैं, जो हैंडसम वीपिंग बॉयज़ कहलाने वाली सेवाएं प्रदान करते हैं। बता दें कि रोना मानव स्वभाव का हिस्सा है और यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि रोने से तनाव और भावनात्मक दबाव को कम करने में मदद मिलती है। हालांकि, कई समाजों में इसे कमजोरी का प्रतीक समझा जाता है, जिससे लोग अपनी भावनाएं व्यक्त करने से कतराते हैं। जापान जैसे देशों में, जहां लोग अपने व्यस्त जीवन में भावनाओं को दबाकर रखते हैं, रोने के लिए एक सुरक्षित और सहानुभूतिपूर्ण माहौल की आवश्यकता महसूस होती है। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए किराए पर रोने वाले साथी जैसी सेवाओं का जन्म हुआ। इस सर्विस का उपयोग करने वाले लोग एक पेशेवर व्यक्ति को किराए पर लेते हैं। उनका काम केवल ग्राहक के साथ बैठकर उनकी भावनाओं को समझना और उनके साथ सहानुभूति प्रकट करना होता है। लोग उनके साथ अपनी समस्याएं शेयर कर सकते हैं और यदि वे रोना चाहते हैं, उनके आंसू भी पोंछे जाते हैं। बीबीसी से बात करते हुए कंपनी के मालिक हिरोकी तराई ने कहा था कि वह चाहते हैं कि जापानी लोग ना सिर्फ घर पर बल्कि ऑफिस में भी रोएं। ऑफिस में रोने पर कोई भी सहकर्मी आपके पास आने से हिचकता है, यह नकारात्मक भी होता है। हालांकि हैंडसम वीपिंग बॉयज़ के लड़के ऑफिस में भी सर्विस देने के लिए मौजूद हो सकते हैं।

अजब-गजब | आज तक नहीं जान पाया कोई इस बात का रहस्य

सदियों से बिना तेल और बाती के जल रही हैं माता के मंदिर में नौ ज्वालाएं

भारत में ऐसे कई शक्ति धाम और मंदिर हैं, जहां लोगों को कई चमत्कार देखने को मिलते हैं। ऐसा ही शक्ति स्वरूपा माता का एक मंदिर हिमाचल प्रदेश में भी स्थित है। यह पावन धाम ज्वाला देवी के नाम से मशहूर है। देवी दुर्गा के ज्वाला स्वरूप वाले इस पावन धाम में बिना तेल बाती के सदियों से लगातार 9 पावन ज्योत जल रही हैं। माता का यह पावन धाम हिमाचल प्रदेश से 30 किलमीटर की दूरी पर स्थित है। ज्वाला मंदिर को जोता वाली मां का मंदिर और नगरकोट भी कहा जाता है। माता का यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में से है।

हैरान करने वाली बात यह है कि मां ज्वालामुखी के इस मंदिर में माता की कोई मूर्ति स्थापित नहीं है बल्कि पृथ्वी के गर्भ से निकल रही माता के नौ ज्वालाओं की पूजा की जाती है। खास बात यह है कि इस मंदिर में बिना तेल और बाती के नौ ज्वालाएं जल रही हैं जो माता के नौ स्वरूपों का प्रतीक है। यह ज्वालाएं सदियों से लगातार जलती आ रही हैं। कई भू वैज्ञानिकों और पुरातत्व विभाग ने इसका रहस्य पता लगाने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। उनके द्वारा कई किलोमीटर तक की खुदाई करने के बाद भी इसका पता नहीं सके कि यह ज्वाला आखिर कहां से निकल रही है।

माता के इस मंदिर में पृथ्वी से निकल रहीं नौ

ज्वालाओं की पूजा-अर्चना की जाती है। इन्हें माता के 9 स्वरूपों का प्रतीक माना जाता है। सबसे बड़ी ज्वाला को मां ज्वाला का स्वरूप माना जाता है। दूसरी तरफ आठ ज्वालाओं को मां अन्नपूर्णा, मां विध्यवासिनी, मां चंण्डी देवी, मां महालक्ष्मी, मां हिंगलाज, देवी मां सरस्वती, मां अम्बिका देवी और माता अंजी देवी का स्वरूप माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस स्थान पर माता सती की जीभ गिरी थी। जिससे माता सती यहां पर मां ज्वाला के रूप में विराजमान हैं और भगवान शिव यहां पर उन्मत भैरव के रूप में स्थित हैं।

वहीं एक कथा और प्रचलित है कि मुगल बादशाह अकबर ने जब मां ज्वालमुखी के इस मंदिर की ज्वाला के बारे में सुना तो वह अपनी सेना के साथ ज्वाला बुझाने के लिए पहुंचा। उसकी सेनाओं द्वारा ज्वाला बुझाने का भरसक प्रयास किया गया लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। कहा जाता है कि माता के इस चमत्कार को देख अकबर नतमस्तक हो गया था और माता के मंदिर में सोने का छत्र चढ़ाया था, लेकिन माता ने इसे स्वीकार नहीं किया और वह छत्र नीचे गिरकर धातु के रूप में तबदील हो गया।

पंजाब के पूर्व सीएम पर हमले से सियासी बवाल

» स्वर्ण मंदिर के बाहर हमलावर ने चलाई गोली, बाल-बाल बचे सुखबीर सिंह बादल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अकाली दल ने आप सरकार पर बोला हमला

अमृतसर। शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल पर हमले के बाद पंजाब में सियासी बवाल मच गया है। अकाली दल ने आप की भगवंत मान की सरकार पर हमला बोला है। बता दें सुबह 9:30 बजे बब्बर खालसा से संबंधित पूर्व आंतकवादी हमलावर नारायण सिंह चौड़ा ने गोली चला दी। उसने मात्र 15 मीटर की दूरी से उन पर गोली चलाने का प्रयास किया। इस समय सुखबीर सुबह 9:00 बजे से अकाल तख्त से मिली धार्मिक सजा के तहत हरमंदिर साहब के मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर पहरेदारी कर रहे थे। करीब 9:30 बजे अचानक दोषी नारायण सिंह बादल के नजदीक पहुंचा तथा पिस्तौल का मुंह बादल की तरफ कर दिया।

पिस्टल निकालते हुए टास्क फोर्स के एक कर्मी ने नारायण सिंह को देख लिया तथा अविलंब उसे उसे रोकने के लिए उसकी तरफ लपका। इतने में गोली चल गई जो मिस फायर हो गया। गोली मुख्य प्रवेश द्वार की एक दीवार पर जा लगी, मुक्त कर्मी ने पलक झपकते ही नारायण सिंह से पिस्तौल छीन ली। कुछ पलों के लिए यहां दहशत फैल गई, मिसफायर होने से बादल बाल बाल बच गए। सादा वर्दी में तैनात पुलिस कर्मियों तथा उनके समर्थकों ने उन्हें तुरंत सुरक्षा घेरे में ले लिया। पुलिस नारायण सिंह को काबू कर तुरंत थाना कोतवाली ले गई। वहीं दलजीत चीमा ने भगवंत मान से इस्तीफा की मांग की है।

सीएम मान ने पुलिस को तुरंत जांच कर रिपोर्ट सौंपने के दिये सख्त निर्देश

पूरी घटना पर पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि पंजाब पुलिस ने आज एक बड़ी घटना होने से बचा ली। पंजाब पुलिस की तत्परता का नतीजा है कि पंजाब और पंजाबियों को बदनाम करने की साजिश नाकाम हो गई है। मान ने कहा कि पुलिस ने हमलावर को मौके पर ही गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की। मैं पुलिस की तत्परता की सराहना करता हूं, सुखबीर बादल पर हुए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। मैंने पुलिस को घटना की तुरंत जांच कर रिपोर्ट सौंपने के सख्त निर्देश जारी किये हैं। आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि जो घटना घटी है हम उसकी कड़ी निंदा करते हैं। नागरिक समाज में हिंसा और ऐसे हमलों का कोई स्थान नहीं है। ईश्वर की कृपा से सुखबीर बादल को कोई नुकसान नहीं हुआ और वह सुरक्षित हैं। मैं पंजाब पुलिस को भी धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने हमलावर को घटनास्थल पर ही पकड़ लिया और सुखबीर बादल को बचा लिया। पंजाब पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। जांच में जो भी सामने आएगा वह पंजाब पुलिस आपको बताएगी।

कर्नाटक सरकार ने मैसूर में 48 जमीनों का आवंटन किया रद्द

» मुडा के तहत दी गई थी भूमि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। कर्नाटक में इन दिनों घोटालों का मुद्दा छाया हुआ है। मुडा और वाल्मिकी कॉरपोरेशन घोटाले को लेकर सिद्धारमैया सरकार विपक्ष के निशाने पर है। अब कर्नाटक सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया। उसने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एयूडीए) द्वारा आवंटित 48 भूखंडों का आवंटन रद्द कर दिया है। इन भूखंडों को पिछले साल 23 मार्च को एक प्रस्ताव द्वारा आवंटित किया गया था। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण के सूत्रों के अनुसार, ये भूखंड मैसूर शहर के दत्तागली में स्थित हैं।

शहरी विकास विभाग के 30 नवंबर 2024 के आदेश के बाद एमयूडीए ने आवंटन रद्द किया है। सूत्रों ने बताया कि कथित तौर पर नियमों का उल्लंघन करने की वजह आवंटन रद्द किया गया है। उन्होंने हालांकि, आवंटन में हुए उल्लंघनों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। उपायुक्त जी. लक्ष्मीकांत रेड्डी, जो मुडा के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि पिछले साल 21 मार्च के मुडा प्रस्ताव के आधार पर लिए गए सभी फैसलों को रद्द किया जाएगा। जिन 48 भूखंडों का आवंटन रद्द किया है। बता दें साल 2020 में मुडा योजना शुरू की गई थी, जिसके तहत लोगों से मैसूर के विकास के नाम पर उनकी जमीन ली गई थी, जिसके तहत 50-50 का फॉर्मूला था, जिसके चलते लोगों की जितनी जमीन ली गई उसकी 50 फीसदी जमीन या वैकल्पिक साइट उन्हें मुआवजे के तौर पर दी जानी थी। हालांकि, साल 2023 में शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश ने शिकायतों के आने के बाद इस योजना को रद्द कर दिया था।

प्रवर्तन निदेशालय भी कर रहा जांच

उन्होंने बताया कि इन भूखंडों को विवादित 50:50 अनुपात योजना के तहत आवंटित नहीं किया गया था, जिसकी जांच लोकायुक्त के साथ-साथ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा भी की जा रही है। आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती बीएम को भी मैसूर के प्रमुख इलाके में एमयूडीए द्वारा किए गए आवंटन से 14 भूखंड का लाभ प्राप्त हुआ।

यूपी में डबल इंजन सरकार दे रही है लोगों को झटका: केजरीवाल

» बोले- दिल्ली वालों सोच समझ कर देना वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी में बिजली दरों में बढ़ने की खबर का असर दिल्ली की राजनीति पर पड़ने लगा है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्वी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश में बिजली की दरों को बढ़ाने पर भाजपा पर निशाना साधा है। एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने लिखा कि यूपी की डबल इंजन की भाजपा सरकार बिजली की दरों में बड़ी भारी वृद्धि करने जा रही है। मेरे प्यारे दिल्ली वासियों, सोच समझ कर दिल्ली में वोट देना।

अगर इन्हें वोट दे दिया तो दिल्ली में बिजली बिल भरने में पूरे महीने की कमाई चली जाएगी। बता दें कि पावर कॉर्पोरेशन ने बिजली निगमों की ओर से मसौदा नियामक आयोग में दाखिल कर दिया है। इसमें करीब 12800 से 13 हजार करोड़ का गैप (घाटा) दिखाया गया है। आयोग ने इस मसौदे को स्वीकृति दी तो प्रदेश में बिजली दरें करीब 15 फीसदी बढ़ सकती हैं। पिछले वर्ष कार्पोरेशन ने दाखिल किए गए एआरआर में 11 से 12 हजार करोड़ का घाटा बताया था। 13.06 प्रतिशत लाइन हानियां दिखाई थी।

कल हेमंत सोरेन के नए मंत्री लेंगे शपथ

» झामुमो, कांग्रेस, राजद और लेफ्ट के विधायक बनेंगे मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में पांच दिसंबर को राज्य सरकार के नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह होगा। जिसमें झामुमो, कांग्रेस, राजद और लेफ्ट के विधायक मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। हालांकि किस दल से कितने मंत्री बनेंगे, अभी तक इसका खुलासा नहीं हो सका है। इससे पहले 28 नवंबर को हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। बता दें कि, हेमंत सोरेन चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। सूत्रों के अनुसार, जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी से ही मंत्री बनाए जाने हैं, इसमें जेएमएम से छह, कांग्रेस से चार, आरजेडी से एक मंत्री बनेंगे।

जबकि अन्य सहयोगी दल सीपीआई (एमएल) (एल) ने मंत्री पद लेने से मना कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, हेमंत सोरेन के अकेले शपथ लेने की वजह ये थी कि गठबंधन में मंत्री पदों के लेकर सहमति नहीं बन सकी थी। सोरेन ने घोषणा की थी कि जल्द ही विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। जिसमें 9 दिसबंर से 12 दिसबंर तक विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित होगा। जिसमें विधायकों से शपथ ग्रहण के साथ-साथ सदन में विश्वास मत भी हासिल किया जा सकता है। वहीं इससे पहले कैबिनेट विस्तार पर झामुमो नेता मनोज पांडे की तरफ से कहा गया था कि पांच विधायकों पर एक मंत्री के फॉर्मूले पर चर्चा की जा रही है।

नौ दिसंबर से विधानसभा का होगा विशेष सत्र

माओवादियों की गतिविधियों पर लगाम लगाने के प्रयास जारी : मुख्यमंत्री

रांची। सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य में माओवादियों की गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए प्रयास किये हैं और इस तरह के उग्रवाद के शेष 'दुष्प्रभावों' को जल्द ही खत्म कर दिया जाएगा। सोरेन ने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति, अपराध नियंत्रण, अवैध खनन की रोकथाम, मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने और साइबर अपराध को नियंत्रित करने के मुद्दे पर मुख्य सचिव, डीजीपी और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की।माओवादियों की गतिविधियों और उग्रवाद के बारे में पूछे जाने पर सोरेन ने कहा कि ऐसी चीजों को एक बार में खत्म नहीं किया जा सकता है। सरकार ने इन गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए अच्छा काम किया है। इनके दुष्प्रभाव अब भी देखने को मिल रहे हैं लेकिन ये भी धीरे-धीरे खत्म हो जाएंगे।

चोट से वापसी के बाद तीनों प्रारूपों में घातक हुए बुमराह

» भारतीय स्टार से खौफ में आए कंगारू, ऑस्ट्रेलिया में हर तरफ हो रही चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एडिलेड। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने 295 रन से जीत के बाद सबसे ज्यादा चर्चा जसप्रीत बुमराह की हो रही है। पर्थ में बुमराह ने फ्रंट से लीड करते हुए आठ विकेट लिए। बता दें बुमराह ने 2016 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था और सितंबर 2022 तक वह अपने अनोखे गेंदबाजी एक्शन और अपने सटीक यॉर्कर की वजह से नाम कमाया। फिर 2022 में जब उन्हें बेक स्ट्रेस फ्रैक्चर से गुजरना पड़ा।

यह एक ऐसी चोट थी जब कई पूर्व क्रिकेटर्स, क्रिकेट पंडितों और फैंस ने कहा कि बुमराह का करियर समाप्त हो चुका है और वह वापसी नहीं कर पाएंगे। लेकिन उनका दृढ़ संकल्प 10 महीने बाद काम आया, जब अगस्त 2023 में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की। इसके बाद से बुमराह ने पीछे मुड़कर नहीं देखा है। बुमराह का अब तीनों प्रारूपों में स्ट्राइक रेट 26.3 का है और इकोनॉमी 3.52 का है। यानी वह हर 26 गेंद में विकेट चटका रहे हैं। जिसके चलते ऑस्ट्रेलियाई टीम एडिलेड में छह दिसंबर से होने वाले गुलाबी गेंद के टेस्ट में इस गेंदबाज की काट ढूंढने में लगी है। एडिलेड टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम, वहां की मीडिया और दिग्गजों में सिर्फ बुमराह के नाम की चर्चा है। एडम गिलक्रिस्ट ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को एडिलेड में इस तूफान का सामना करने की सलाह दी है। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहद खतरनाक रहे हैं। एलेक्स कैरी ने कहा, वह शानदार गेंदबाज हैं। वहीं एलियेस्टर कुक भी बुमराह के कद्रदानों में शामिल हो गए हैं।

मुश्किल हुई कीवी टीम की डब्ल्यूटीसी फाइनल की राह

दुबई। डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंचने की दौड़ रोचक हो गई है क्योंकि आईसीसी ने न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की टीमों पर कार्रवाई करते हुए उनके डब्ल्यूटीसी अंक काट लिए हैं। आईसीसी ने यह फैसला दोनों टीमों के बीच क्राइस्टचर्च में हुए पहले टेस्ट के दौरान धीमी ओवर गति के चलते लिया है। दोनों टीमों पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना और डब्ल्यूटीसी के तीन अंक काटे गए हैं। न्यूजीलैंड के लिए यह बड़ा झटका है क्योंकि वह इस कारण डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गई है। न्यूजीलैंड के अब 47.92 प्रतिशत अंक हैं और वह इंग्लैंड के खिलाफ बाकी बचे दो मुकाबलों में जीत के बावजूद अपने अंकों को अधिकतम 55.36 प्रतिशत कर सकता है।

एक और जाट नेता ने सरकार को दिखाई आंख!

कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी भड़के, कृषि मंत्री शिवराज सिंह को सुना दी खरी-खोटी

» राष्ट्र किसान की सहनशीलता परखने की कोशिश करेगा तो उसे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी

» देश की कोई ताकत किसान की आवाज को दबा नहीं सकती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक और जाट नेता ने मोदी सरकार की आंखों में आखें डालकर चेतावनी दी है? यह कोई मामूली व्यक्ति नहीं है बल्कि देश का उपराष्ट्रपति व राज्य सभा के सभापति भी हैं। वह किसान आंदोलन पर सरकार के रवैये से नाराज हैं। उनकी नाराजगी उस समय सार्वजनिक हो गयी जब उन्होंने देश के कृषि मंत्री के साथ एक मंच शेयर किया।

इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को देखकर उपराष्ट्रपति का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और वह खुद को नहीं रोक पाएं वहीं मंच से ही कृषि मंत्री को खरी-खोटी सुना दी। उन्होंने कहा कि यदि राष्ट्र किसान की सहनशीलता परखने की कोशिश करेगा, तो उसे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। उपराष्ट्रपति के इन शब्दों के भवार्थ को समझने की कोशिश कीजिए। वह यहीं नही रूके और उन्होंने कहा कि देश की कोई ताकत किसान की आवाज को दबा नहीं सकती। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सवाल किया है कि आखिरकार किसानों से वार्ता क्यों नहीं हो रही है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मंच पर मौजूद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से कहा, कृषि मंत्री जी, हर पल आपके लिए

किसानों से किया वादा क्यों नहीं निभाया गया

श्री धनखड़ ने कहा मैं आपसे अनुरोध करता हूं और भारत के संविधान के तहत दूसरे सबसे बड़े पद पर विराजमान व्यक्ति के रूप में मैं आपसे आग्रह करता हूं कि कृपया मुझे बताइए, क्या किसानों से कोई वादा किया गया था, और वह वादा क्यों नहीं निभाया गया। हम वादा पूरा करने के लिए क्या कर रहे हैं। पिछले साल भी आंदोलन था, इस साल भी आंदोलन है, और समय जा रहा है, लेकिन हम कुछ नहीं कर रहे हैं।

किसानों से वार्ता तुरंत होनी चाहिए

उपराष्ट्रपति ने कहा, कृषि मंत्री जी, मुझे तकलीफ हो रही है। मेरी चिंता यह है कि अब तक यह पहल क्यों नहीं हुई। आप कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री हैं। मुझे सरदार पटेल की याद आती है, उनका जो उत्तरदायित्व था देश को एकजुट करने का, उन्होंने इसे बखूबी निभाया। यह चुनौती आज आपके सामने है, और इसे भारत की एकता से कम मत समझिए। किसानों से वार्ता तुरंत होनी चाहिए, और हम सबको यह जानना चाहिए, क्या किसानों से कोई वादा किया गया था। कृषि मंत्री जी, क्या पिछले कृषि मंत्रियों ने कोई लिखित वादा किया था। अगर किया था, तो उसका क्या हुआ।

हम अपने लोगों से नहीं लड़ सकते

आंदोलित किसानों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए उन्होंने कहा, हम अपने लोगों से नहीं लड़ सकते, हम उन्हें इस स्थिति में नहीं डाल सकते कि वे अकेले संघर्ष करें। हम यह विचारधारा नहीं रख सकते कि उनका संघर्ष सीमित रहेगा, और वे अंतत- थक जाएंगे। हमें भारत की आत्मा को परेशान नहीं करना चाहिए, हमें उनके दिल को चोट नहीं पहुंचानी चाहिए। क्या हम किसान और सरकार के बीच एक सीमा रेखा बना सकते हैं? जिनको गले लगाना चाहिए, उन्हें दूर नहीं किया जा सकता।

किसानों को हक भी नहीं दे रही सरकार

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपराष्ट्रपति ने कहा, आज किसान को केवल एक काम सौंप दिया गया है, खेतों में अनाज उगाना और फिर उसकी सही कीमत पर बिक्री के बारे में सोचना। मुझे समझ में नहीं आता कि हम क्यों ऐसा फॉर्मूला नहीं बना सकते, जिसमें अर्थशास्त्रियों और थिंक टैंक के साथ विचार-विमर्श करके हमारे किसानों को पुरस्कृत किया जा सके। हम उन्हें उनका हक भी नहीं दे रहे, पुरस्कृत करना तो दूर की बात है। हमने जो वादा किया था, उसे देने में भी कंजूसी कर रहे हैं, और मुझे समझ में नहीं आता कि किसानों से वार्ता क्यों नहीं हो रही है। हमारी मानसिकता सकारात्मक होनी चाहिए।

किसान और उनके हितैषी चुप

उन्होंने कहा, यह बहुत संकीर्ण आकलन है कि किसान आंदोलन का मतलब केवल वे लोग हैं जो सड़कों पर हैं। नहीं, किसान का बेटा आज अधिकारी है, किसान का बेटा सरकारी कर्मचारी है। लाल बहादुर शास्त्री जी ने क्यों कहा था जय जवान, जय किसान। उस जय किसान के साथ हमारा रवैया वही होना चाहिए, जैसा लाल बहादुर शास्त्री ने कल्पना की थी। मेरी पीड़ा यह है कि किसान और उनके हितैषी आज चुप हैं, बोलने से कतराते हैं। देश की कोई ताकत किसान की आवाज को दबा नहीं सकती। यदि कोई राष्ट्र किसान की सहनशीलता परखने की कोशिश करेगा, तो उसे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

भाजपा नेता कबीर शंकर बोस को सुप्रीम कोर्ट से झटका

» टीएमसी कार्यकर्ताओं से हाथापाई का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता कबीर शंकर बोस के खिलाफ 2020 में उनके सुरक्षाकर्मियों और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई के संबंध में दर्ज दो प्राथमिकियों को बुधवार को सीबीआई को सौंप दिया।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की पीठ बोस की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मामले की जांच पश्चिम बंगाल पुलिस से सीबीआई, एसआईटी या किसी स्वतंत्र एजेंसी को स्थानांतरित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। पीठ ने कहा, इस मामले के अजीबोगरीब तथ्यों को देखते हुए प्रतिवादियों को आदेश दिया जाता है कि वे दोनों प्राथमिकियों के आधार पर जांच के कागजात तथा जांच पूरी करने के लिए सभी रिकॉर्ड सीबीआई को सौंप दें, ताकि यदि आवश्यक हो तो मुकदमा शुरू किया जा सके और पक्षों को न्याय मिल सके।

फडणवीस चुने गए भाजपा विधायक दल के नेता

» भाजपा पर्यवेक्षक सीतारमण व रूपाणी भी रहे उपस्थित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के नाम पर संशय के बादल छंट गए हैं। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा के विधायक दल की बैठक में बुधवार को देवेंद्र फडणवीस को दल का नेता चुना गया। विधायक दल की बैठक से पहले कोर कमेटी की बैठक में भी देवेंद्र फडणवीस के नाम पर सहमति बन गई थी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी बतौर केंद्रीय पर्यवेक्षक विधायक दल की बैठक में मौजूद रहे। फडणवीस 5 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद फडणवीस ने सभी विधायकों और पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार जताया। फडणवीस ने विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए राज्य की जनता का भी आभार जताया।

तीसरी बार महाराष्ट्र के सीएम पद की शपथ लेंगे फडणवीस

महाराष्ट्र भाजपा के नेता सुधीर मुनगंटीवार ने बताया कि महायुति गठबंधन के नेता बुधवार शाम साढ़े तीन बजे के करीब राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात करेंगे और सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। कल मुंबई के आजाद मैदान में सीएम का शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसके लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के सीएम पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। सीएम के साथ ही दो डिप्टी सीएम भी शपथ लेंगे। ऐसी चर्चाएं हैं कि एनसीपी नेता अजित पवार और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम पद की शपथ ले सकते हैं।

शीतकालीन सत्र के 8वें दिन भी हंगामा जारी

» लोस और रास में संभल व किसानों पर वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का आज 8वां दिन है। बुधवार को एक बार फिर सदन में हंगामा जारी रहा। संभल व किसानों के मुद्दे को लेकर विपक्षी सदस्य हंगामा किया। आज संसद में कई बिल पेश करने की योजना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को लोकसभा में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश करेंगे और राज्यसभा में विदेश मंत्री एस. जयशंकर भारत-चीन संबंधों में हालिया घटनाक्रम पर बयान देंगे।

विधेयक का उद्देश्य आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 में संशोधन करना है। गृह मंत्री प्रस्ताव आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 में संशोधन करने वाले विधेयक पर विचार करने के लिए पेश करेंगे। कोशिश यही है कि इसके जरिए भूमिकाओं में अधिक स्पष्टता आए और राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अधिकारियों को सशक्त बनाया जा सके। विधेयक को 1 अगस्त को लोकसभा में पेश किया गया था और यह मौजूदा अधिनियम में संशोधन करने का प्रयास करता है, जिसे मूल रूप से संस्थागत तंत्र, आपदा प्रबंधन योजनाएं और आपदा प्रभावों को रोकने और कम करने के लिए रणनीतियां बनाकर भारत में आपदाओं के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए अधिनियमित किया गया था। वहीं शीतकालीन सत्र के सातवें दिन विपक्ष ने संसद के बाहर प्रदर्शन किया था। जिसके बाद लोकसभा सचिवालय ने अनुरोध किया है कि वे संसद भवन के गेट के सामने प्रदर्शन न करें।

लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्ष का स्थगन नोटिस नकारा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों की ओर से प्रस्तुत किसी भी स्थगन नोटिस को स्वीकार करने से इनकार कर दिया. उन्होंने विपक्षी सांसदों से लोकसभा के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शन न करने का आग्रह किया। उधर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शिवसेना यूबीटी सांसद की ओर से बीएसएनएल को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि सरकार बीएसएनएल के 50,000 से अधिक कर्मचारियों की देखभाल करने की अपनी जिम्मेदारी से पूरी तरह अवगत है। उन्होंने अरविंद सावंत की ओर से दिए गए इस तरह के बयान को अपमानजनक बताया। लोकसभा में बहस के दौरान डीएमके सांसद ने कहा कि सरकार को अधूरे रेलवे प्रोजेक्ट के लिए राज्यों को दोष नहीं देना चाहिए डीएमके सांसद टीआर बालू ने कहा कि केंद्र को अधूरे रेलवे प्रोजेक्ट के लिए राज्यों को दोष नहीं देना चाहिए, उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण के मामले में केंद्र को राज्यों से संपर्क करना चाहिए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।